बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम **दिनांक – 10 - 03-2021**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज घोष अघोष एवं अल्पप्राण ,महाप्राण के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे।

घोष एवं अघोष वर्ण में क्या अंतर है।

घोष एवं अघोष वर्ण में अंतर:

घोष वर्ण	**अघोष वर्ण**
(a) घोष वर्णों के उच्चारण में स्वरतंत्रियाँ परस्पर झंकृत होती है।	(a) अघोष वर्णों के उच्चारण में ऐसी झंकृति नहीं होती है।
(b) घोष में केवल नाद का ही उपयोग होता है।	(b) अघोष में केवल श्वास का उपयोग होता है।
(c) प्रत्येक वर्ग का 3रा, 4था और 5वाँ वर्ण, सभी स्वर वर्ण, य, र, ल, व और ह, घोष वर्ण हैं।	(c) प्रत्येक वर्ग का 1ला और 2रा तथा श, ष एवं स अघोष हैं।

अल्पप्राण और महाप्राण में अंतर:

अल्पप्राण	**महाप्राण**
(a) अल्पप्राण में हकार- जैसी ध्वनि नहीं निकलती है।	(a) महाप्राण में हकार- जैसी ध्वनि होती है।
(b) सभी स्वर वर्ण और प्रत्येक वर्ग का 1ला, 3रा और 5वाँ वर्ण तथा समस्त अन्तःस्थ वर्ण अल्पप्राण है।	(b) प्रत्येक वर्ग का 2रा और 4था तथा समस्त उष्म वर्ण महाप्राण है।
(c) अल्पप्राण के उच्चारण में कम श्रम करना पड़ता है।	(c) महाप्राण वर्णों का उच्चारण अधिक श्रमपूर्वक करना पड़ता है।